Scott Christian College, Nagercoil

The origin of Scott Christian College can be traced to a village-church founded in 1809 by Rev. William Tobias Ringeltaube, the pioneering Missionary of London Missionary Society at Mylaudy.

In 1818, it was upgraded as a Seminary and shifted to Nagercoil by Rev. Charles Mead. Rev. Dr. James Duthie, who took charge of the Seminary in 1860, played a remarkable role in elevating it to a College.

With the magnanimous contribution of 1000 Pounds from Mr. Septimus Scott and a grant from the Government of Travancore, the Seminary was elevated to a Second Grade College affiliated to the University of Madras in 1893. The historic journey of Scott Christian College commenced with 12 students and Rev. Dr. James Duthie as the first Principal. In 1924, the Library was equipped with up-to-date volumes of 4000 books.

Sh. G. H. Marsden, took charge as Principal in 1927 and paid special attention to increase the facilities for Science Departments. His selfless efforts helped in building the small Intermediate College that accommodated around 140 students. Women students were admitted 1927 onwards.

Compulsory games were introduced for men students of the College in 1927. Thereafter, the College students excelled in games and sports. Degree courses were introduced at Scott Christian College in 1950. The College was affiliated to Madurai Kamaraj University in 1966 and celebrated its Platinum Jubilee in 1967. The degree classes were shifted to the present campus during 1970-1971.

Post-graduate courses commenced from 1971. Now there are 17 Under-graduate programmes; 12 Post-graduate programmes and 10 M.Phil courses Economics (1986), Chemistry (2006), History (2006) and Mathematics (2006).

In 1990 the college was affiliated to Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli and celebrated the centenary in 1993.

Since 1990, many departments have been up-graded into recognized research departments. At present, there are 11 departments recognized as Centres for Research with 74 approved research guides who guide research scholars.

The most historic event in the annals of Scott Christian College was the status of autonomy conferred on it in April 2005. The NAAC Peer Team visited the campus and the college was re-accredited with 'A' grade.

This temple of higher education glows with a Green Campus that speaks volumes about the tireless efforts of the management, staff and students. This eco-friendly campus insists on a plastic free environment creating a serene atmosphere that facilitates and kindles the spirit of learning.

The National Institutions ranking work frame, under the Ministry of Human Resource Development, Government of India ranked Scott Christian College (Autonomous) at the 37th place among the colleges in India.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Scott Christian College, Nagercoil.

Credits:

Text : Based on information received from proponent

Stamp/ FDC/ Brochure Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोविल
SCOTT CHRISTIAN COLLEGE, NAGERCOIL

विवरणिका BROCHURE
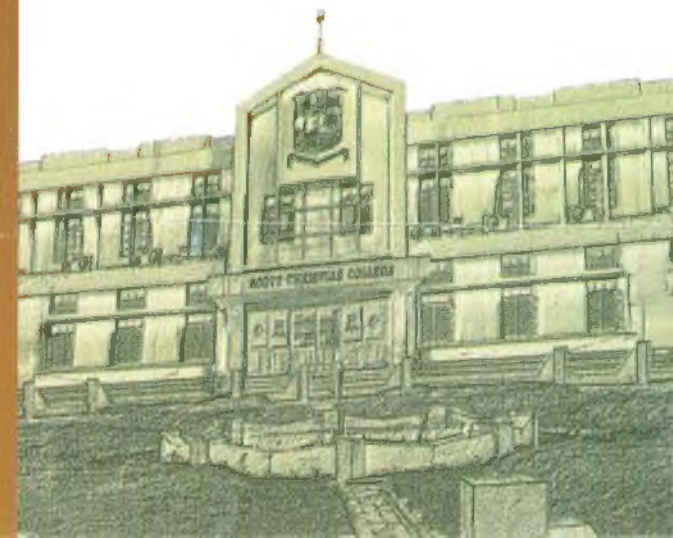
स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोविल

लंदन मिशनरी सोसाइटी के अग्रणी मिशनरी श्रद्धेय विलियम तोबियास रिंगलटोबे ने वर्ष 1809 में मायलोडी में ग्राम-चर्च की स्थापना की थी । इसी चर्च से स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज की शुरुआत हुई।

1818 में इस चर्च को सेमिनरी का रूप दे दिया गया तथा श्रद्धेय चार्ल्स मीड द्वारा इसे नागरकोविल में स्थानांतरित कर दिया गया। श्रद्धेय डा. जेम्स डुथी ने 1860 में सेमिनरी का पदभार सँभाला तथा इसे महाविद्यालय के रूप में स्थापित करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

श्री सेप्टिमस स्कॉट के 1000 पाउण्ड के योगदान और त्रावणकोर सरकार के अनुदान से 1893 में इस सेमिनरी को मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध कर इसे दूसरे ग्रेड के कालेज का रूप दिया गया। 12 छात्रों के साथ स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज की ऐतिहासिक यात्रा प्रारंभ हुई। डा. जेम्स डुथी इसके प्रथम प्रिंसिपल थे। 1924 में इसके पुस्तकालय में 4000 पुस्तकों के नवीनतम खंड थे।

1927 में श्री जी.एच. मासडिन इस कॉलेज के प्रिंसिपल बने। उन्होंने विज्ञान संबंधी विभागों की सुविधाओं को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया। उनके निस्वार्थ प्रयासों से इसने एक छोटे इंटरमीडिएट कॉलेज का रूप ले लिया जिसमें छात्रों की संख्या 140 थी। 1927 से इसमें महिलाओं को प्रवेश दिया गया।

1927 में कॉलेज के छात्रों के लिए खेल अनिवार्य कर दिए गए और उस समय से कॉलेज के छात्र खेल-कूद में अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं । 1950 में स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज में डिग्री पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। 1966 में इस कॉलेज को मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया। 1967 में इसने अपनी हीरक जयंती मनाई। 1970-71 में डिग्री की कक्षाओं को वर्तमान कैंपस में स्थानांतरित किया गया ।

1971 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का आरंभ हुआ। वर्तमान में 17 स्नातक स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम, 12 स्नातकोत्तर कार्यक्रम और 10 एम. फिल. पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र (1986), रसायन विज्ञान (2006), इतिहास (2006) और गणित (2006) विषयों में संचालित किए जा रहे हैं।

1990 में इस कॉलेज को मनोनमणियम सुन्दरनर विश्वविद्यालय, तिरूनेलवेली से संबद्ध किया गया और 1993 में इसने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी समारोह का आयोजन किया।

1990 से कई विभागों का मान्यता प्राप्त शोध विभागों के रूप में उन्नयन किया गया। इस समय 11 विभागों को शोध केन्द्रों के रूप में मान्यता प्रदान की गई है, जिनमें 74 अनुमोदित शोध मार्गदर्शक, शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं ।

स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज के इतिहास की सबसे प्रमुख ऐतिहासिक घटना-अप्रैल 2005 में स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज को स्वायत्तता का दर्जा प्रदान किया जाना है। एनएएसी पिअर टीम ने कॉलेज कैंपस का निरीक्षण किया और इसे 'ए' ग्रेड की पुनः मान्यता प्रदान की गई ।

उच्च शिक्षा के इस मंदिर का कैंपस पर्यावरण अनुकूल है जो इसके प्रबंधन, स्टाफ और छात्रों के अथक परिश्रम का द्योतक है । पर्यावरण अनुकूल कैंपस को प्लास्टिक मुक्त रखने पर जोर दिया जाता है, जिससे शांत वातावरण का सृजन होता है और छात्रों में शिक्षा के प्रति रूचि जागृत होती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेम वर्क (एन. आई. आर. एफ.) ने स्कॉट क्रिश्चियन कालेज (स्वायत्त) को भारत के कॉलेजों में 37 वें स्थान पर रखा है ।

डाक विभाग स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोविल पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर आधारित

डाक टिकट/ प्रथम दिवस आवरण/ विवरणिका विरूपण : श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	600700
Stamps Printed	:	600700
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00